संपादकीय

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
National Institute of Hydrology
आपो हिष्टा मयोभुवः

जनवरी 2024

संरक्षक
डॉ. मनमोहन कुमार गोयल

मुख्य संपादक
डॉ. अनिल कुमार लोहनी

परामर्शदाता
डॉ. सुरजीत सिंह
डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
डॉ. मनीष कुमार नेमा
डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार सिंह
डॉ. दीपक सिंह बिष्ट

संपादक
डॉ. सोबन सिंह रावत

उप संपादक
प्रदीप कुमार उनियाल

सह संपादक
पवन कुमार

प्रकाशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन,
रूड़की-247667
उत्तराखंड

मुद्रक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की

संस्थान की तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' का नवीनतम अंक सुधी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। पूर्व अंकों की भांति इस अंक में भी वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को सरल, सुबोध एवं प्रचलित भाषा में प्रस्तुत किया गया है जिससे कि हर वर्ग का पाठक जल संबंधी शोध एवं विकास कार्यों की नई-नई जानकारियों का लाभ उठा सके। हमें विश्वास है कि यह अंक भी हमारे पाठकों को रोचक, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी लगेगा। प्रायः यह देखा जाता है कि तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति की जानकारियां अंग्रेजी भाषा के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित की जाती हैं परंतु संस्थान ने इस पत्रिका के माध्यम से यह प्रयास किया है कि हिंदी भाषा भाषी पाठकों को विज्ञान एवं तकनीकी विषय की स्तरीय जानकारी उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध कराई जाए। हिंदी भाषा के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही इस जानकारी का यह क्रम वर्ष 2011 से निरंतर जारी है। पत्रिका में जल से जुड़े लेखों को प्राथमिकता देते हुए कविताओं, कार्टूनों व लघु कहानियों को भी स्थान दिया गया है।

प्रस्तुत अंक में जल संसाधन परियोजनाएं और पर्यावरण पर उनका प्रभाव, जल निकायों की गणना, टिकाऊ कृषि हेतु जल संचयन एवं सिंचाई प्रबन्धन में संरक्षित कृषि का योगदान, स्मार्ट जल प्रबन्धन, ब्रहमपुत्र महानद-असम का शोक इत्यादि जैसे रोचक, महत्वपूर्ण एवं उपयोगी तकनीकी लेखों को शामिल किया गया है। जल से जुड़े लेखों के अलावा कुछ अन्य रोचक विषयों जैसे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का यात्रा वृत्तान्त, चुनौती बना वायु प्रदूषण, जल है एक अमूल्य प्राकृतिक वरदान, जीवन का आधार हैं वृक्ष इत्यादि विषयों पर लिखे गए लेखों को भी सम्मिलित किया गया है।

आज हमारे देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में जल संकट निरंतर गहराता जा रहा है। अतः जल का संरक्षण व सदुपयोग आज की महती आवश्यकता बन गया है। इन समस्याओं के समाधान के लिए यह आवश्यक है कि जनमानस को जल के विभिन्न पहलुओं की पर्याप्त जानकारी हो। जल मानव जीवन के अस्तित्व और विकास के लिए एक प्रमुख प्राकृतिक संसाधन हैं आज जल के अनियंत्रित दोहन के चलते स्वच्छ जल की कुल उपलब्धता धीरे-धीरे घटी है। इसका एक अन्य प्रमुख कारण जल प्रदूषण भी है। आज शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि के कारण जल की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अतः इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य जल से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारियों को सामान्य जन मानस तक उनकी अपनी आम बोल चाल की भाषा ''हिंदी'' के माध्यम से पहुंचाना है। जन जागरूकता अभियान तथा प्रचार-प्रसार की दृष्टि से यह पत्रिका निःशुल्क वितरित की जाती है।

संपादक मंडल उन समस्त विद्वत लेखकों का हृदय से आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपने रोचक एवं उपयोगी लेख देकर हमारा उत्साह बढ़ाया है। जल चेतना के इस अंक में जिन स्रोतों से चित्रों का संकलन किया गया है, संपादक मंडल उनका भी हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

हमें विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को अत्यन्त रोचक तथा उपयोगी लगेगी। पत्रिका के आगामी अंकों को और अधिक आकर्षक एवं रोचक बनाने तथा सामग्री व साज-सज्जा में अपेक्षित सुधार लाने के लिए समस्त सुधी पाठकों से उनके महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित हैं।

जल चेतना

मूल्य : निःशुल्क
शिकायत: 01332-249228, 249227
ई-मेल : jalchetna44@gmail.com

सम्पादकीय : 01332-249214, 249227,
फैक्स : 01332-272123
ई–मेल : jalchetna44@gmail.com
वेब साइट : www.nihroorkee.gov.in

© राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
पत्रिका में प्रकाशित आलेख एवं रचनाओं में प्रस्तुत तथ्य लेखकों के अपने विचार हैं, संपादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
पत्रिका से सम्बन्धित सभी विवाद रूड़की न्यायालय द्वारा ही निपटाए जायेंगे।